SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 46: no 3, March 2006

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

मधुमती

मार्च, 2006

राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर

अनुक्रम

सम्पादकीय 5

लेख

- 'दुरसा आढ़ा' का काव्य : लोकोन्मुखी सृजन परम्परा की अमूल्य धरोहर / डॉ. सोहन शर्मा 9
- उत्तर आधुनिकता : व्युत्पत्ति और स्वरूप / डॉ. संजय चौहान 15
- जीवन मूल्यों का क्षरण और साहित्य / डॉ. मदन केवलिया 20
- आज के संदर्भ में साहित्य की चुनौतियाँ / डॉ. पुरुषोत्तम आसोपा 24
- भारतीय संस्कृति का संदर्भ और निराला का काव्य / प्रो. सुंदरलाल कथूरिया 27
- स्वच्छंदतावाद के प्रथम कवि श्रीधर पाठक / डॉ. आशीष सिसोदिया 30
- वैश्वीकरणोन्मुखी सामाजिकता में साहित्य–निहित सांस्कृतिक चेतना / डॉ. ब्रह्मस्वरूप शर्मा 35
- संस्कृति और साहित्य के अंतःसंबंध / डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ 40
- डॉ. पद्मा सचदेव : एक सम्पूर्ण भारतीयता की प्रतिमूर्ति / विनीत चौहान 45
- 'पण्डून कौ कड़ा' : एक प्रस्तावना / डॉ. जीवन सिंह 47
- धार्मिक स्वातंत्र्य के पक्षधर महाकवि भूषण / डॉ. सुमनलता 54
- जैनेन्द्र के उपन्यासों का जीवन दर्शन / डॉ. कन्हैया सिंह 57

कविताएँ

- शब्द और मौन, वसंत का अहसास / भवानीशंकर व्यास 'विनोद' 60
- जलाना / अरुण सेदवाल 61
- जीने की कला, पतझड़, ठूँठ, समय चोर कहीं के / डॉ. अम्बाशंकर नागर 62
- तुम्हारी याद, मैं जो एक दिन, तुम्हारा होना, कहीं तो होंगे अभयारण्य / नंद भारद्वाज 64
- आराधना, हकीकत / डॉ. स्वर्णलता 66
- समानान्तर रिश्ते, बहती रहे नदी, यादें शेष / मनोरमा शर्मा 'मनोरम' 67
- कब से हूँ क्या बताऊँ जहाने खराब में / आनंद संगीत 68
- तुम हो मेरी अनंत संभावना, मेरा प्यारा मणिपुर / श्रीमती मनोहरमयुम यमुना देवी 69

यात्रा वृत्तान्त : कर्नाटक

- वैभव देखा लेकिन त्याग ने प्रभावित किया / डॉ. अजित गुप्ता 70

वल्लभाचार्य जयंती पर

- श्रीमद् वल्लभाचार्य का शुद्धाद्वैतवाद / डॉ. प्रतिमा जोशी 73

भाषान्तर

- एक चिट्ठी (लातिन अमरीकी कहानी) / ग्रेगरियो लोपेज ई पुरन्तेस, अनु. : उत्पल बैनर्जी 76

कहानी

- बेटी / महीप सिंह
- आखिर क्यों ? / अरनी रॉबर्ट्स

उपन्यास अंश

- सखी / नरेन्द्र कोहली

गीत-ग़ज़ल

- गीत– मन का पोखर, कब तक यों दुहराएँ ? / किशोर काबरा
- चार ग़ज़लें / डॉ. दयाकृष्ण विजयवर्गीय 'विजय'

पुस्तक समीक्षा

- पुरुष, सच को जीते हुए, आप ही तो मेरे गुरु हैं / विजयसिंह नाहटा
- जीवन सत्य का उद्‌घाटन, विसंगतियों का दस्तावेज,
  गहरे भावों एवं अनुभवों का मुक्तक / डॉ. हुसेनी बोहरा
- जीवन ऊर्जा के वास्ते व्यंग्य / अतुल कनक

समाचार वीथी

पाठक संवाद